पाठ–20

आओ खेलें मिट्टी से

कमला अपने भाई के साथ मिट्टी लाकर घरौंदा बना रही थी। तभी उसकी सहेली सलमा आ पहुँची।

सलमा – क्या बना रही हो, कमला ?

कमला – घरौंदा बना रही हूँ।

सलमा – मुझे घरौंदा बनाना सिखाओ ना।

कमला – हाँ–हाँ क्यों नहीं। थोड़ी–सी मिट्टी लो। उसमें पानी डालकर मिट्टी को गूँधो। इस गूँधी हुई मिट्टी से दीवारें बनाओ।

कमला और सलमा दोनों सहेलियाँ घरौंदे बनाने लगीं।

बताइए–

1. क्या आपने मिट्टी का घरौंदा बनाया है?

____

2. आपके घर में मिट्टी से बनी कौन–कौन सी चीजें हैं?

____

____

____

3. आपके घरों में मिट्टी के बरतन किस–किस काम में आते हैं?

____

____

पता कीजिए–

4. कुम्हार के घर जाइए और देखिए कि घड़ा तैयार करने के लिए उसे क्या–क्या तैयारी करनी पड़ती है?

_____

_____

_____

_____

5. कुम्हार मिट्टी की चीजें कैसे बनाते हैं यह नीचे लिखा गया है। पर इसका क्रम सही नहीं है। क्रम को सही कीजिए।

बने बर्तन को सुखाना ◯	मिट्टी खोदकर लाना ◯
पके बर्तन में रंग लगाना और बाजार में जाना ◯	सूखे बर्तनों को आग में पकाना ◯
चाक पर बर्तन बनाना ◯	मिट्टी तैयार करना। ◯

6. आपके गाँव में लोग क्या–क्या काम करते हैं, इनको तालिका में लिखिए, इन कामों को करनेवाले लोगों को क्या कहा जाता है? इनके नाम भी लिखिए।

क्र.सं.	काम	इन्हें कहते हैं।
1.	मिट्टी के बर्तन बनानेवाले	
2.		
3.		
4.		

7. ऊपर बने चित्र के आधार पर नीचे की तालिका को पूरा कीजिए।

मिट्टी की बनी चीजें	लकड़ी की बनी चीजें	लोहे की बनी चीजें

8. सही शब्दों को चुनकर खाली जगह भरिए–

दर्जी, किसान, डॉक्टर, शिक्षक

1. जो खेत में अन्न उगाता है। ————————————
2. जो ईलाज करता है। ————————————
3. जो विद्यालय में पढ़ाते हैं। ————————————
4. जो कपड़ा सिलता है। ————————————

कुछ करें :

शिक्षक बच्चों को चार–चार के समूह बनाकर तालाब, खेत, बगीचे, मैदान, नदी और सड़क की ओर ले जाएँ। अलग–अलग जगह से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कीजिए। वापस कक्षा में आकर मिट्टी के इन नमूनों को देखकर मिट्टी के रंग व उसके दूसरे गुणों की पहचानकर उन्हें दी गई तालिका में भरिए।

स्थान का नाम	छूकर देखने पर			मिट्टी का रंग
	खुरदुरी	चिकनी	रेतीली	
खेत				
बगीचा				
मैदान				
तालाब				
नदी				
सड़क				

हम लोगों ने अब तक मिट्टी, जल, पेड़–पौधें, जीव–जन्तु, परिवार और दोस्तों के बारे में बातचीत की। इन सब से मिलकर हमारा पर्यावरण बनता है। इनके साथ अपना मजबूत संबंध होना चाहिए। यह हमारे विकास के लिए आवश्यक है। पर्यावरण को अगर क्षति पहुँचती है तो हमें भी क्षति होगी।

CCC

हमारा संविधान
हमारा मूल कर्त्तव्य

51क. मूल कर्त्तव्य— भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह-

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिक्षण करें;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों, में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।

[(ट) माता-पिता या संरक्षक, जैसी भी स्थिति हो, अपने उस बच्चे की, जिसकी आयु छः से चौदह वर्ष के बीच है, शिक्षा देने का अवसर प्रदान करेगा।]